म. प्र. चेम्बर ऑफ कॉमर्स एण्ड इण्डस्ट्री, ग्वालियर

CELEBRATING 120 YEARS MPCCI

https://mpcci.in

अर्थवार्ता
मासिक पत्रिका

SEPTEMBER 2025

आरएनआई/एमपीएचआईएन/1997/6965

वर्ष : 28, अंक : 03

दीपोत्सव 'दीपावली' की हार्दिक शुभकामनाएँ

डॉ. प्रवीण अग्रवाल
अध्यक्ष

हेमन्त गुप्ता
संयुक्त अध्यक्ष

दीपक अग्रवाल
मानसेवी सचिव

डॉ. राकेश अग्रवाल
उपाध्यक्ष

संदीप नारायण अग्रवाल
कोषाध्यक्ष

पवन कुमार अग्रवाल
मानसेवी संयुक्त सचिव

कार्यकारिणी सदस्यगण : अशोक विजयवर्गीय, राहुल अग्रवाल, अमित अग्रवाल, श्रीमती अलका श्रीवास्तव, अभिषेक चतुर्वेदी, रोशन गाबरा, धर्मेश गुप्ता, विवेक हरलालका, प्रीतम सिंह बघेल, अंकुर अग्रवाल, मनोज सरावगी, धर्मेन्द्र जैन, किशोर कुमार कुकरेजा, घनश्यामदास नागवानी (मधु), मोहन माहेश्वरी, द्वारकादास गुप्ता, रवि कुमार गर्ग, कल्याणचंद गुप्ता, संजय अग्रवाल, राजेन्द्र कुमार गुप्ता, अनुराग गर्ग, विपुल अग्रवाल, दीपक श्रीचन्द जैस्वानी, मुकेश गोयल, अजय गोयल, राकेश कुमार गुप्ता, गोकुल बंसल, जितेन्द्र बंसल, जगदीश खेमानी, महेन्द्र कुमार साहू, राजेन्द्र सिंघल, लोकेश अग्रवाल, कन्हैयालाल अग्रवाल, दीपक जैन, रवि जैन, दीपेश अग्रवाल, लक्ष्मीनारायण गर्ग (रोबिन), अजीत जैन, पारस जैन (मुरार), अभिषेक गोयल, अनिल कुमार आनन्द, पारस जैन, विवेक बंसल, आशीष अग्रवाल, सुनील गोयल (कोठी वाले), के. के. महेश्वरी, दीपक अग्रवाल, राधामोहन गुप्ता, विकास अग्रवाल, आलोक आहूजा, मनोज कुमार सांघी, ओमप्रकाश पुष्प, मनोहरलाल अरोरा, प्रशांत सिंघल, भरत कुमार बंसल, विपुल गुप्ता, जगदीशप्रसाद निगोतिया, अमित सेठी, रवि अग्रवाल, विनोद कुमार बिजपुरिया, सुभाष गुप्ता, रवि मंगल, मनोज भाटिया, श्याम कुमार गुप्ता, निर्मल कुमार जैन, वैभव सिंहल, शुभम मंगल, श्रीमती अंजलि गुप्ता, डॉ. विनोद जैन, नवीन अग्रवाल, रीतेश अग्रवाल, अवध सिंह धाकरे, गिर्राज सिंघल, प्रतीक जैन, बसंत शर्मा, संजीव अग्रवाल (कुक्कू), आशीष जैन, रामकुमार गोयल, रवि मित्तल, पवन अग्रवाल, आशीष अग्रवाल, अरुण गुप्ता, शिवरतन सिधवानी, विश्वास जेस्वानी, सुरेश बंसल, अमित अग्रवाल, मनोज जैन, दीपक पमनानी, आशुतोष मिश्रा, रोहित अग्रवाल, अनिल दुबे, दीपक गुप्ता, राकेश लहारिया, अशोक शर्मा (प्रेमी), कैलाश जौलिया, राजकुमार अग्रवाल, हिमांशु अमरपुरी, पवन गर्ग, आलोक जैन, संजय गुप्ता, आशुतोष लहारिया, अखिलेश गोयल, रवि गुप्ता, अशोक कुमार अग्रवाल, राजेश बंसल, संदीप जैन, मयंक गर्ग, मनीष सिंघल, नरेन्द्र मंगल (लाला), पंकज अरोरा, मयंक अरोरा, दिनेश कुमार अग्रवाल, परषोत्तम गुप्ता, सतीश गर्ग, राकेश अग्रवाल, एम. के. सांघी, संजय गोयल, प्रवीण अग्रवाल, बृजेश गुप्ता, अनूप साहू, गौरव गर्ग, प्रदीप कुमार अग्रवाल, कमलेश कुमार जैन, चन्द्रकांत अग्रवाल, दिलीप अग्रवाल, विजय कुमार गोयल, पंकज सिंहल, ब्रजेश गोयल, प्रशान्त गंगवाल, राजकुमार गर्ग, आर. पी. अग्रवाल, राजेन्द्र अग्रवाल, संजयनारायण अग्रवाल, अमर सिंह ग्रोवर, अंकित अग्रवाल, राकेश झा, ललित गुप्ता, सुनील अग्रवाल, सौरभ गुप्ता, राजेश माखीजा, अनिल अग्रवाल, राहुल जैन, नंदकिशोर गोयल, विपिन गुप्ता, कृष्ण कुमार मित्तल, संजीव गुप्ता, ओमप्रकाश कुकरेजा, रामकुमार चौपड़ा, रामनिवास अग्रवाल, आशुतोष अग्रवाल, जितेन्द्र जाजू, श्रीमती साधना जैन, सुशांत सिंघल, कृष्ण बिहारी गोयल, हरिहरशरण गर्ग, अमृत माहेश्वरी, प्रतीक गुप्ता, ग्वालदास अग्रवाल, सुनील सिंहल सर्राफ, कु. रूचिका अग्रवाल, सुजीत कुमार अग्रवाल, गिरिराज सिंघल।

"Solar Fair-2025" : अभूतपूर्व सफलता

म. प्र. चेम्बर ऑफ कॉमर्स एण्ड इण्डस्ट्री द्वारा आयोजित **'सोलर फेयर-2025'** ऐतिहासिक उपलब्धियों के साथ सम्पन्न हुआ । इस मेगा आयोजन में 35 करोड़ रुपये का प्रत्यक्ष व्यापार दर्ज हुआ, जबकि लगभग 50 करोड़ रुपये की संभावित डील्स व पूछताछ भविष्य के निवेश का संकेत बनीं ।

'दो-दिवसीय' इस आयोजन में उद्योग जगत, व्यापारिक वर्ग, होटल, हॉस्पीटल संचालकों एवं शैक्षणिक संस्थानों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया । प्रतिभागियों ने सौर ऊर्जा प्रणालियों की नवीनतम तकनीकों, दीर्घकालिक बचत और पर्यावरणीय लाभ की बारीकियों को गहराई से समझा ।

सोलर फेयर में पधारे, माननीय ऊर्जा मंत्री, श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने अपने उद्बोधन में कहा कि चेम्बर द्वारा 'सोलर क्रांति' के द्वारा व्यापक जनजागरण कर एक अच्छा कार्य किया जा रहा है । आपने कहाकि सोलर एनर्जी के डबल फायदे हैं । सोलर एनर्जी, ग्रीन एनर्जी भी है, जो वातावरण को प्रदूषण मुक्त कर रही है । साथ ही, बिजली की भी बचत हो रही है । माननीय प्रधानमंत्री जी का भी सपना है कि देश का प्रत्येक घर, सौर ऊर्जा से रोशन हो ।

इस वर्ष फेयर की विशेष उपलब्धि रही कि ''प्रधानमंत्री कुसुम योजना'' के अंतर्गत क्षेत्रीय उद्यमियों का उत्साह उल्लेखनीय रहा । योजना के तहत 5 प्रोजेक्ट्स को स्वीकृति मिली, जिसने सौर ऊर्जा अपनाने की गति को और बढ़ाया ।

लगातार तीसरे वर्ष आयोजित यह आयोजन ग्वालियर अंचल में वैकल्पिक ऊर्जा क्रांति का आधार बन रहा है । 'सोलर फेयर' ने न केवल व्यावसायिक संभावनाओं को विस्तार दिया है, बल्कि ऊर्जा आत्मनिर्भरता और हरित भविष्य की दिशा में एक सशक्त कदम भी सिद्ध हुआ है ।

"Solar Fair-2025" झलकियाँ

"Solar Fair-2025" झलकियाँ

ऑनलाइन नामांतरण एवं समग्र आईडी की आवश्यकता व प्रक्रिया पर नगर-निगम के साथ बैठक आयोजित

नगर-निगम, ग्वालियर की ऑनलाइन नामांतरण प्रक्रिया एवं समग्र आईडी की आवश्यकता और प्रक्रिया पर दिनांक 16 सितम्बर को एक बैठक का आयोजन किया गया ।

बैठक में नगर-निगम, ग्वालियर की सामाजिक सुरक्षा अधिकारी-पूर्वी अग्रवाल ने बताया कि समग्र आईडी मध्यप्रदेश शासन की जनसंख्या पंजी है । यह आईडी मध्यप्रदेश सरकार की सभी योजनाओं के लिए आवश्यक है । वर्ष 2013-14 में समग्र आईडी बनाने का कार्य प्रारंभ किया गया था । प्रारंभ में ग्वालियर की लगभग 29 लाख समग्र आईडी दर्ज की गई थी, जबकि इतनी संख्या ग्वालियर की नहीं है । इसलिए डुप्लीकेसी को खत्म करने के लिए समग्र आईडी की ईकेवायसी की जा रही है । इसे आधाार से लिंक करके किया जा रहा है, जिससे वास्तविक समग्र आईडी ही शेष रहें और लोगों के नाम पते व अन्य जानकारियाँ भी अपेडट हो सकें । आप समग्र आईडी एवं उसकी ईकेवायसी के लिए चार विकल्प अपना सकते हैं, जिनमें लोक सेवा केन्द्र, एमपी ऑनलाइन कियोस्क, कॉमन सर्विस सेंटर तथा समग्र पोर्टल **www.samagra.gov.in** पर जाकर स्वयं इस कार्य को कर सकते हैं । उक्त वेबसाइट पर जाकर आप अपनी समग्र आईडी प्रविष्ट करें, अपना मोबाइल नंबर दर्ज कर, ओ.टी.पी. से सत्यापन करें, अपना आधार नंबर दर्ज करें तथा आधार से प्राप्त ओटीपी को प्रविष्ट कर, अपने आधार को सत्यापित करें । इस प्रकार आपका ईकेवायसी हो जाएगा । नगर-निगम में ऑनलाइन नामांतरण प्रक्रिया के लिए पोर्टल **https://enagarpalika.mp.gov.in/home** पर सिटीजन लॉगिन पर क्लिक करें । इसके बाद अपना समग्र आईडी अथवा मोबाइल नंबर डालकर ओटीपी प्राप्त करें, फिर प्रॉपट टैक्स पर जाएँ, इसके बाद प्रॉपट ट्रांसफर पर क्लिक करें । आपका जो प्रॉपट टैक्स ड्यू है, पहले उसे पे करें । यदि ड्यू नहीं है, तो प्रॉपट की सारी डिटेल फिल करें । सभी दस्तावेजों की स्पष्ट पीडीएफ फाइल ऑनलाइन लॉगिन करने से पूर्व बना लें, ताकि वह सभी अटेच कर सकें । ऑनलाइन आवेदन प्राप्त के पश्चात सभी दस्तावेज वेरीफाय होने एवं नामांकन विज्ञप्ति प्रकाशन पश्चात नामांतरण की प्रक्रिया पूर्ण हो जाएगी आप अपने आवेदन की स्थिति भी ऑनलाइन पोर्टल पर चैक कर सकेंगे ।

इस अवसर पर अध्यक्ष–डॉ. प्रवीण अग्रवाल द्वारा अपने उद्‌बोधन में कहा कि समग्र आईडी एवं नामांतरण प्रकरणों में आ रही परेशानियों के लिए यह बैठक आयोजित की गई है । आपने कहा कि समग्र आईडी की विसंगतियों को दूर कराने हेतु शीघ्र ही 'चेम्बर भवन' में शिविर लगाया जाएगा ।

बैठक का संचालन, मानसेवी सचिव–दीपक अग्रवाल द्वारा किया गया तथा अंत में आभार उपाध्यक्ष–डॉ. राकेश अग्रवाल ने व्यक्त किया । बैठक में मानसेवी संयुक्त सचिव–पवन कुमार अग्रवाल सहित कार्यकारिणी समिति सदस्य–सर्वश्री महेन्द्र साहू, निर्मल कुमार जैन, आशीष जैन, आशीष अग्रवाल, श्रीमती अंजलि गुप्ता, अशोक कुमार अग्रवाल, घनश्यामदास नागवानी, भरत कुमार बंसल, विकास अग्रवाल, मनोज कुमार सांघी, रवि मित्तल, आशुतोष मिश्रा, संजय गुप्ता, राजेश बंसल, नरेन्द्र कुमार मंगल, अनिल अग्रवाल, नंदकिशोर गोयल सहित काफी संख्या में सदस्यगण उपस्थित थे।

नवीन सदस्यों को सदस्यता प्रमाण-पत्र एवं एमपीसीसीआई पिन का हुआ वितरण

कार्यकारिणी समिति की दिनांक 28 अगस्त 2025 को आयोजित बैठक में जिन 25 नवीन फर्मों को सदस्यता प्रदान की गई थी, उन्हें बैठक के उपरान्त सदस्यता प्रमाण–पत्र एवं एमपीसीसीआई पिन वितरित कर, नवीन सदस्यों का स्वागत किया गया ।

सितम्बर 2025 के महत्वपूर्ण प्रयास...

* केन्द्रीय संचार मंत्री–श्रीमंत ज्योतिरादित्य सिंधिया को पत्र प्रेषित कर, बहौड़ापुर क्षेत्र विशेषकर आनन्द नगर एवं ट्रांसपोर्ट नगर में बीएसएनएल के मोबाइल सिग्नल नहीं मिलने की समस्या से अवगत कराया गया।
* आयुक्त, नगर–निगम, ग्वालियर को पत्र प्रेषित कर, शहर के सभी बाजारों में प्रतिष्ठानों को कचरा डालने हेतु डस्टबिन रखवाए जाने की माँग की गई।
* केन्द्रीय संचार मंत्री–श्रीमंत ज्योतिरादित्य सिंधिया एवं केन्द्रीय रेलमंत्री महोदय को पत्र प्रेषित कर, झाँसी–इन्दौर/रतलाम लिंक एक्सप्रेस को पुनः प्रारम्भ किए जाने की माँग की गई ।
* नगर–निगम परिषद, सभापति–श्री मनोज सिंह तोमर एवं नेता प्रतिपक्ष–श्री हरि पाल को ज्ञापन सौंपकर, गारबेज शुल्क की विसंगति को दूर करने हेतु परिषद से निर्णय कराने की माँग की गई ।
* केन्द्रीय वित्तमंत्री, भारत सरकार एवं अध्यक्ष, केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड, नई दिल्ली को पत्र प्रेषित कर, वित्तीय वर्ष 2024–25 हेतु आयकर रिटर्न एवं टैक्स ऑडिट रिपोर्ट की नियत तिथियों में विस्तार किए जाने की माँग की गई ।
* मुख्यमंत्री–माननीय डॉ. मोहन यादव, नगरीय विकास एवं आवास मंत्री–माननीय श्री कैलाश विजयवर्गीय, प्रभारी मंत्री–माननीय श्री तुलसी सिलावट, ऊर्जा मंत्री–माननीय श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर, सामाजिक न्याय मंत्री–माननीय श्री नारायण सिंह कुशवाह सहित विधायक (पूर्व)–माननीय डॉ. सतीश सिंह सिकरवार को पत्र प्रेषित कर, शहर की जर्जर सड़कों सहित सीवर लाईन व स्ट्रीट लाईट की संभीर समस्या के उचित समाधान की माँग की गई ।
* पेट्रोल एवं डीजल को जीएसटी में शामिल किए जाने हेतु फिक्की को प्रस्ताव प्रेषित किया गया। साथ ही, मध्यप्रदेश के सभी व्यापारिक एवं औद्योगिक संगठनों को भी पेट्रोल एवं डीजल को जीएसटी में शामिल किए जाने संबंधी पत्र प्रेषित किए गए ।

भारत सरकार द्वारा जीएसटी में किए गए व्यापक बदलाव पर परिचर्चा आयोजित

भारत सरकार द्वारा दि. 22 सितम्बर 2025 से जीएसटी में किए गए व्यापक बदलावों पर दिनांक 20 सितम्बर को एक परिचर्चा का आयोजन किया गया । परिचर्चा में जीएसटी विशेषज्ञ के रूप में सी.ए. दीपक वाजपेयी उपस्थित थे ।

बैठक में स्वागत उद्‌बोधन देते हुए, अध्यक्ष–डॉ. प्रवीण अग्रवाल ने कहा कि जीएसटी में जो रिफोर्म हुए हैं, वह दि. 22 सितम्बर से लागू हो जाएँगे । इन रिफॉर्म्स पर विस्तार से चर्चा कर, बारीकियों को समझने एवं इसके लाभ एवं विसंगति को जानने के लिए यह परिचर्चा आयोजित की गई है । बैठक में व्यवसायियों ने अपनी जिज्ञासाओं संबंधी प्रश्न करते हुए पूछा कि उद्योगों में कच्चा माल विभिन्न जीएसटी दरों पर आता है, तब वह अपने उत्पादों में किस प्रकार उस कर को समाहित कर, लागत एवं विक्रय मूल्य को समायाजित करेंगे ? तथा उन्हें किस प्रकार इनपुट टैक्स क्रेडिट प्राप्त होगा ? हमारा जो स्टॉक 22 सितम्बर के पूर्व बचेगा, उसका क्या होगा ? जो जीएसटी हमारी सरकार के पास ज्यादा जमा है, वह हमें किस प्रकार रिफण्ड होगी ? उसका वायफरकेशन किस प्रकार होगा ? कार्टून बनाने में उपयोग होने वाले कागज पर जीएसटी 12% से 18% की गई और उत्पाद का निर्माण होने पर जीएसटी 5% कर दी गई, तब ऐसी स्थिति में क्या इनपुट टैक्स रिबेट मिलेगी ? वहीं कॉपी बनाने वाले निर्माता कागज को 12% जीएसटी चुकाकर खरीदेंगे और कॉपी पर जीएसटी दर 0 प्रतिशत हो गई है, वह किस प्रकार जीएसटी का आईटीसी प्राप्त करेंगे ? सरकार का कहना है कि जीएसटी रिफॉर्म्स का फायदा ग्राहक को मिलना चाहिए, तब जिस उत्पाद के लिए कच्चा माल जीएसटी दर चुकता कर खरीदा जा रहा है और तैयार उत्पाद को बेचने पर जीएसटी दर 0 प्रतिशत है, ऐसी स्थिति में निर्माता को कर का नुकसान होगा ।

सरकार ने कहा है कि वह ग्राहकों को फायदा न मिलने पर कार्यवाही करेगी, तब उस व्यवसाय का संचालन किस प्रकार होगा । ऐसे व्यवहारिक प्रश्न बैठक में व्यवसायियों द्वारा किए गए ।

जीएसटी विशेषज्ञ–सीए दीपक वाजपेयी ने व्यवसायियों की जिज्ञासाओं का समाधान करते हुए कहा कि जीएसटी रिफॉर्म्स में अब 12 एवं 28% की दर को हटाकर 5 एवं 18% रखी गई हैं, वहीं कुछ उत्पादों पर यह 40% रखी गई है । आपने कहा कि जो जीएसटी सुधार हुआ है, उसको ज्यादा कॉम्पलीकेटेड तरीके से न समझें । सरकार ने जीएसटी की दरों को घटाकर नोटिफिकेशन दि. 17 सितम्बर को जारी किया है, जिसमें केवल दरें बदलाव की बात जारी की गई है । जीएसटी का बेसिक स्ट्रक्चर जिसमें आप वर्ष–2017 से कार्य कर रहे हैं, उसमें 22 सितम्बर के बाद कोई परिवर्तन नहीं होने वाला है । सरकार ने केवल अधिक दरों को घटाकर कम किया है, बाकी पैटर्न तो वही रहने वाला है । यदि आप विभिन्न प्रकार की जीएसी दरों का कच्चा माल पूर्व में प्रयोग कर, उत्पाद बनाते थे, तो सरकार ने उसका आज तक आपसे वायफरकेशन नहीं मांगा है और आगे भी यह व्यवस्था इसी प्रकार रहेगी । वर्किंग पेटर्न में कोई परिवर्तन नहीं होने वाला है । मुख्य प्रश्न है कि मेरे इनपुट टैक्स क्रेडिट का क्या होगा और मेरे स्टॉक का क्या होगा ? यदि आपकी स्टॉक की कीमतों में परिवर्तन हुआ है, तो इसका प्रश्न आपसे पूछा जाएगा आपको स्टॉक की जानकारी रखनी होगी पर आपको कोई डिक्लेरेशन नहीं देना है । टैक्स रिबेट 18% से घटकर 12% हुई या 12% से बढ़कर 18% हुई है, तब आपको इसका आईटीसी रिफण्ड होगा । यदि किसी उत्पाद पर जीएसटी दर थी और 22 सितम्बर के बाद उस पर जीएसटी दर शून्य होगी, तो यदि आपने उस उत्पाद पर आईटीसी लिया है, तब आपको रिवर्स करना पड़ेगा । आपके पास आईटीसी यदि कम रखा है और स्टॉक ज्यादा आपके पास है तो आपको रिवर्स करना पड़ेगा जीएसटी का अप्रत्यक्ष रूप से भार उपभोक्ता पर आता है, इसलिए जहां पर जीएसटी दरें कम हुई हैं, वहां पर उसका लाभ आपको उपभोक्ता देना पड़ेगा यदि आपकी कॉस्ट बढेगी तो दरें बढानी पड़ेगी आपने विस्तार से जीएसटी में आये व्यापक सुधारों पर परिचर्चा में विस्तार से बताया परिचर्चा के अंत में अध्यक्ष–डॉ. प्रवीण अग्रवाल ने कहा कि वर्ष 2017 में जब जीएसटी लागू हुआ था उसके बाद उसमें कई संशोधन किये गये क्योंकि उसमें विसंगतियां थीं इन विसंगतियों को चेम्बर ऑफ कॉमर्स द्वारा विभिन्न सेमीनार के माध्यम से एकत्रित किया गया था इसी प्रकार जो रिफॉर्म होने जा रहा है, उसमें जो विसंगतियां परिलक्षित होंगी, उस पर हम केन्द्र सरकार को लिखेंगे ताकि व्यवसायियों को नुकसान न हो और उपभोक्ता भी लाभांवित हो सकें।

बैठक का संचालन मानसेवी संयुक्त सचिव–पवन कुमार अग्रवाल तथा आभार कोषाध्यक्ष–संदीप नारायण अग्रवाल द्वारा व्यक्त किया गया बैठक में संयुक्त अध्यक्ष–हेमंत गुप्ता, कार्यकारिणी समिति सदस्य–महेन्द्र कुमार साहू, अमित सेठी, नंदकिशोर गोयल, आशीष अग्रवाल, संजय अग्रवाल, दीपक अग्रवाल, भरत कुमार बंसल, गिरिराज सिंघल, सुनील अग्रवाल, अरूण गुप्ता, उद्यमी–संजय कपूर, संजय धवन, माधव अग्रवाल सहित काफी संख्या में सदस्यगण उपस्थित रहे ।

मासिक विद्युत समस्या समाधान शिविर 'चेम्बर भवन' में आयोजित

''मासिक विद्युत समस्या समाधान शिविर'' का आयोजन शनिवार, 27 सितम्बर को 'चेम्बर भवन' में किया गया। शिविर में लगभग 100 उपभोक्ताओं की समस्या का समाधान किया गया। इस अवसर पर मुख्य महाप्रबंधक–श्री विनोद कटारे ने कहा कि किसी भी विद्युत उपभोक्ता की शिकायत का समाधान किए बगैर यदि शिकायत को समाप्त किया गया है, तो उस लाइन स्टॉफ, एई और जेई के विरुद्ध सख्त कार्यवाही की जाएगी। आपने उपस्थित अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी डीजीएम यह सुनिश्चित करें कि उपभोक्ताओं के साथ अच्छा व्यवहार होना चाहिए।

कार्यक्रम के प्रारम्भ में अध्यक्ष–डॉ. प्रवीण अग्रवाल ने उपस्थित अधिकारियों का स्वागत करते हुए कहाकि बार–बार ऐसी शिकायतें आती हैं कि उपभोक्ता बिजली जाने की शिकायत दर्ज करवाते हैं, तब बिजली सही होने से पहले ही विभाग द्वारा शिकायत समाप्त कर दी जाती है, जिससे उपभोक्ता को मानसिक पीड़ा होती है और बार–बार शिकायत दर्ज करनी होती है। इसी के साथ आपने कहाकि हमारे द्वारा सौर ऊर्जा को बढ़ावा देने के लिए अभियान चलाया जा रहा है, परन्तु अधिकांश उपभोक्ताओं की शिकायत आती हैं कि कई–कई माह सोलर मीटर स्थापित ही नहीं किया जाता है, जिससे इस अभियान में रुकावट उत्पन्न होती है। साथ ही, प्रतिमाह सोलर बिल दिए जा रहे हैं, उन बिलों को जब अगले माह देखते हैं, तो उनका प्रिंट ही गायब हो जाता है, यह एक बड़ी समस्या है।

इस अवसर पर संयुक्त अध्यक्ष–हेमन्त गुप्ता, मानसेवी सचिव–दीपक अग्रवाल, कार्यकारिणी सदस्य–सर्वश्री आशीष अग्रवाल, संजय अग्रवाल, विवेक बंसल सहित महाप्रबंधक (शहर वृत्त)–श्री संदीप कालरा, उपमहाप्रबंधक (मध्य क्षेत्र)–श्री गगनदेव शर्मा, (पूर्व क्षेत्र)–श्री अजीत सिंह राजपूत, (दक्षिण क्षेत्र)–श्री संतोष विट्ठल, (सिटी सर्किल)–श्री एस. के. चतुर्वेदी आदि उपस्थित थे।

प्रेषक : स्वामी म. प्र. चेम्बर ऑफ कॉमर्स एण्ड इण्डस्ट्री के लिए प्रकाशक, दीपक अग्रवाल द्वारा सागर प्रिन्टर्स, ग्वालियर से डिजाइन तथा 'चेम्बर भवन', एस.डी.एम. मार्ग, ग्वालियर से प्रकाशित. संपादक–दीपक अग्रवाल, दूरभाष–2371691,2632916,2382917